मडवूर वासुदेवन नायर
अकादेमी पुरस्कार : कथकली

1929 में केरल में जन्मे श्री मडवूर वासुदेवन नायर ने कथकली वेशम की प्रारम्भिक शिक्षा मडवूर परमेश्वरन पिल्लई और कुरिचि कुंजन पणिकर से ग्रहण की। तत्पश्चात् आपने गुरू चेंगन्नूर रामन पिल्लई का शिष्यत्व प्राप्त किया और उनके सान्निध्य में बारह वर्ष तक प्रशिक्षण लिया।

श्री वासुदेवन नायर ने कथकली की दाक्षिणात्य शैली के प्रस्तोता और गुरू के रूप में अपनी पहचान बनाई। गुरू चेंगन्नूर आशान के सर्वप्रमुख शिष्य के रूप में आप कथकली परम्परा के महत्त्वपूर्ण घराने का प्रतिनिधित्व करते हैं। 1968 से 1978 तक आपने केरल कलामंडलम में प्रशिक्षण दिया तथा बाद में आप पाकलकुड़ी के कला भारतीय कथकली केन्द्र में प्राचार्य के पद पर आसीन हुए। आपने कथकली में विभिन्न महत्त्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं और कत्ती वेशम में विशेष रूप से ख्याति प्राप्त की है। आपने युवा पीढ़ी के अनेक कलाकारों और गुरूओं को भी प्रशिक्षित किया है। आपने केरल और उससे बाहर अनेकानेक प्रदर्शन किए हैं।

श्री वासुदेवन नायर को कथकली के प्रति समर्पण भाव के लिए अनेक सम्मानों से विभूषित किया गया है, जिनमें 1992 में केरल कलामंडलम पुरस्कार, 1997 में वल्लत्तोल पुरस्कार और तुलसीवरम पुरस्कार सम्मिलित हैं।

श्री मडवूर वासुदेवन नायर को कथकली में योगदान के लिए संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

MADAVOOR VASUDEVAN NAIR
Akademi Award: Kathakali

Born in 1929 in Kerala, Shri Madavoor Vasudevan Nair received his initial training in Kathakali vesham from Madavoor Parameswaran Pillai and Kurichi Kunjan Panicker. Later he became a disciple of Guru Chengannur Raman Pillai and studied under him for twelve years.

Shri Vasudevan Nair has distinguished himself as an actor and a teacher of Kathakali of the southern school. As the most prominent disciple of Chengannur Asan, he represents an important lineage in the Kathakali tradition. From 1968 to 1978 he taught at Kerala Kalamandalam and moved thence to Pakalkuri to lead the Kala Bharati Kathakali Centre as its Principal Asan. He has taken major roles of different types, and has particularly excelled in katti veshams. He has also trained many actors and teachers, and has given numerous performances within and outside Kerala.

Shri Vasudevan Nair has received several honours for his service to Kathakali including the Kerala Kalamandalam Award of 1992, the Vallathol Award of 1997, and the Thulasivaram Award.

Shri Madavoor Vasudevan Nair receives the Sangeet Natak Akademi Award for his contribution to Kathakali.